(6) Work relating to selling of crackers and fireworks in shops with temporary licences.

II-Processes

(1) Bidi making

(2) Carpet-weaving

(3) Cement manufacture, including bagging of cement.

(4) Cloth printing, dyeing and weaving.

(5) Manufacture of matches, explosives and fire-works.

(6) Mica-cutting and splitting.

(7) Shellac manufacture.

(8) Soap manufacture.

(9) Tanning.

(10) Wool-cleaning.

(11) Building and construction industry.

(12) Manufacture of slate pencils (including packing).

(13) Manufacture of products from agate.

(14) Manufacturing Processes using toxic metals and substances such as lead, mercury, manganese, chromium, cadmium, benzene, pesticides and asbestos.

Proposals to start Light Rail Transit System in Andhr., Pradesh

430. SHRl T. CHANDRASEKHAR REDDY: Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether there are any proposals to introduce the Light Rail Transit System in Andhra Pradesh and

(b) if so, the details thereof and whether any feasibility studies have been made in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI M. ARUNACHALAM): (a) and (b) The Government of Andhra Pradesh appointed M/s Rail India Technical & Economic Services Limited (RITES) in March, 1988 to prepare a Techno-Economic Feasibility Report for the introduction of a mass transit system in the twin cities of Hyderabad-Secun-derabad. RITES have recommended provision of Light Rail Transit System in this area. The routes identified in the Report to introduce Light Rail Transit System are:

(i) Balanagar to Khairatabad (ii)

Khairatabad to Charminar

(iii) Mozamzahi Market to Dilsukh-nagar

The Government of Andhra Pradesh have been asked to give detailed com-ments and clarifications regarding various assumptions made in the report and their plan regarding the funding pattern subsidy element and economic viability of the project, etc. The report of the State Govt, on these aspects has not been received so far.

रेलवे में भ्रष्टाचार

431. डा० रत्नाकर पाण्डेय : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या रेलवे में भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए सरकार ने एक समय-बद्ध योजना तैयार की है ; और यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ख) यदि नहीं, तो स्थिति से निपटने के लिये सरकार कौन-कौन से प्रभावी कदम उठा रही है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) और (ख) भ्रष्टाचार को समाप्त करना एक सतत प्रक्रिया है और सरकार रेलों में भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए कृत संकल्प है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिये एक कार्य योजना पहले से ही तैयार की गयी है और उस पर कार्रवाई शुरू कर दी गयी है । इसके

लि विशेषकर निम्नलिखित क्षेत्रों में सर्तकत गतिविधियों को तेज करने की आवश्यकत है:—

(1) बैंकिंग, आरक्षण समान/पार्सल, मल और खान पान जैसे जन संपर्क क्षेत्र, जहां जनता को तंग/परेशान किया जा सकत है।

(2) जहां जनता के बड़ी मात्रा में धन के दुरुपयोग/बर्बाद या राजस्व की चोरी किए जाने की संभावना हो।

(3) कर्मचारियों की भर्ती और चयन।

इन गतिविधियों में निवारक और दंडात्मक दोनों उपाय शामिल हैं। निवारक उपाय में शामिल हैं—नियमों/प्रक्रियाओं (कदाचार की गुंजाइश को समाप्त करने तथा कम करने के लिये) को सरल बना/ना/उसमें आशोधन करना, सूचना एकत्र करना, निगरानी रखने के लिये संदिग्ध व्यक्तियों तथा भ्रष्टाचार बहुल्य क्षेत्रों का पता लगाना, संवेदनशील पदों पर अधिकारियों और कर्मचारियों का आवधिक स्थानान्तरण, जिन अधिकारियों/कर्मचारियों की निष्ठा पर संदेह होता है उन्हें सेवानिवृत्ति से पहले सेवा निवृत्ति करना, कर्मचारियों, पर्यवेक्षण अधिकारियों और जनता को बड़े पैमाने पर शिक्षित करना तथा सर्तकत गतिविधियों में उन्हें शामिल करना और नियमित रूप से तथा बार-बार जांच करना। दंडात्मक उपायों में शामिल हैं—मामले की शीघ्र जांच करना, अनुशासनिक कार्रवाई करना तथा कदाचार और भ्रष्टाचार के दोषसिद्ध मामले में निवारक दंड देना।

केन्द्रीय जांच ब्यूरो से नियमित रूप और बार-बार संपर्क बनाए रखा ता है जो रेलवे के सर्तकता संबंधी यों में मदद करते हैं।

भूतपूर्व उप-प्रधानमंत्री के सरकारी निवास पर हुआ खर्च

432. डा. रत्नाकर पाण्डेय: क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भूतपूर्व उपप्रधान मंत्री के दिल्ली स्थित सरकारी निवास के रख रखाव और उसके लिये उपकरणों की खरीद पर कितनी धनराशि खर्च की गई; और

(ख) इस सम्बन्ध में, यदि अधिक धन राशि खर्च की गई हो, तो उसके क्या कारण हैं?

शहरी विकास मंत्री (श्रीमती शीला कौर): (क) भूतपूर्व उप प्रधानमंत्री के सरकारी आवास दिल्ली में रख-रखाव परिवर्धन/परिवर्तन और उपकरणों की खरीद पर, सुरक्षा कार्यों पर हुये व्यय के अलावा लगभग कुल 35.82 लाख रुपये खर्च किये गये। इसका 9.45 लाख रुपये रख-रखाव पर 14.17 लाख रुपये परिवर्धन/परिवर्तन पर और 12.20 लाख रुपये फर्नीचर सहित उपकरणों पर खर्च हुआ।

(ख) मंत्रियों को आवंटित आवासों में मरम्मत, नवीकरण और परिवर्धन/परिवर्तन पर व्यय, मामले दर मामले के आवश्यकता के आधार पर होत हैं। फर्नीचर के संबंध में व्यय की सीमा प्रधान मंत्री व उप प्रधान मंत्री पर लागू नहीं होती।

Findings of the National Water Development Agency

433. SHRl S. K. T. RAMACHANDRAN: Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state:

what are the findings of the National Water Development Agency in respect of linking of Western flown Kerala riyers to Tamil Nadu rivers;

hether Government propose to link Achan Koil and Famba rivers flowing